This question paper contains 6 printed pages] 3/12/18 (M)

Roll No. | | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 7948

Unique Paper Code : 12277505 IC

Name of the Paper : Political Economy-I

Name of the Course : B.A. (Hons.) Economics-CBCS-DSE-I

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note :— Answers may be written *either* in English *or* in Hindi but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :—इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी **या** हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

The question paper is divided into *two* sections A and B. Each question in section A carries **15** marks and each question in Section B carries **20** marks.

Attempt any *one* question from Section A and any *three* questions from Section B.

यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों 'क' एवं 'ख' में विभाजित किया गया है। खण्ड 'क' का प्रत्येक प्रश्न **15** अंक का है एवं खण्ड 'ख' का प्रत्येक प्रश्न **20** अंकों का है।

खण्ड 'क' में से किसी **एक** प्रश्न का एवं खण्ड 'ख' में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.

mynotes.in

Section A

(खण्ड क)

1. Analyse how the social relations of production from being "forms of development of the productive forces" turn into their "fetters".

   विश्लेषण कीजिए कि किस तरह उत्पादन के सामाजिक संबंध ''उत्पादक शक्तियों के विकास के रूप'' से बदलकर उसकी 'बेड़ियाँ' बन जाते हैं।

2. What did Marx term as "fictitious capital"? Explain. What role has fictitious capital played in contemporary period of capitalism ?

   मार्क्स ने किसको ''काल्पनिक पूँजी'' की संज्ञा दी थी? समझाइए। पूँजीवाद के समकालीन काल में काल्पनिक पूँजी का क्या योगदान रहा है?

3. Explain the justification of 'restrictive practices' and 'price rigidities' in Schumpeter's analysis of large firm behaviour.

   बड़े फर्म के व्यवहार के विश्लेषण में शुम्पीटर द्वारा 'प्रतिबंधात्मक क्रियाओं' और 'कीमत अनम्यता' के औचित्य को समझाइए।

Section B

(खण्ड ख)

4. Do you agree with the view that the standard notion of the capitalist transition out of the internal contradictions of feudalism misses out the essential features of the actual genesis of capitalism ? Discuss by first providing a brief account of the major features of the standard notion and then its critical evaluation.

   आप क्या इस राय से सहमत हैं कि पूँजीवादी संक्रमण की सामान्य धारणा कि वह सामंतवाद के आंतरिक अंतर्विरोधों से उत्पन्न हुई, पूँजीवाद की वास्तविक उत्पत्ति की आवश्यक विशेषताओं को देखने में चूक जाती है। इस राय पर पहले सामान्य धारणा की मुख्य विशेषताओं का संक्षिप्त विवरण और फिर उसके सूक्ष्म मूल्यांकन की चर्चा कीजिए।

5. "For neither state nor economy can exist by itself, and each is capable, by its faulty operation, of endangering the successful operation of the other" (Heilbroner). Explain the above statement in the context of the interdependence and rivalry between the two realms in capitalism.

munotes.in

"क्योंकि न तो राज्य और न ही अर्थव्यवस्था का अकेले में अस्तित्व है, और दोनों ही सक्षम हैं, अपने दोषपूर्ण संचालन से, दूसरे के सफल संचालन को जोखिम में डालने के लिए" (हाइलब्रोनर)। पूँजीवाद के दो दायरों में परस्पर निर्भरता और मुकाबले के संदर्भ में ऊपर के कथन की व्याख्या कीजिए।

6. Explain the "law of the tendency of the falling rate of profit". What are the effective countervailing tendencies available that may thwart and annul the effects of a falling rate of profit ? Is the falling rate of profit merely a tendency or is a crisis due to that an inevitability in capitalism ?

"मुनाफे की दर में गिरावट की प्रवृत्ति के नियम" को समझाइए। मुनाफे की दर में गिरावट के प्रभाव को रोकने और निष्फल करने की कौनसी प्रभावी प्रतिकारी प्रवृत्तियाँ हैं? क्या मुनाफे की दर पर गिरावट महज एक प्रवृत्ति है या कि उसकी वजह से उत्पन्न संकट पूँजीवाद में अनिवार्य है?

7. "The rate and direction of economic development in a country at a given time depend on both the size and mode of utilisation of the economic surplus." Elucidate this statement of Paul Baran and analyse his evaluation of monopoly capitalism using the framework derived from this statement.

"किसी भी समय पर एक देश के आर्थिक विकास की दर और उसकी दिशा, आर्थिक अधिशेष की मात्रा और उसके उपयोग के तरीके पर निर्भर है।" पॉल बरान के इस कथन को स्पष्ट कीजिए और इस कथन पर आधारित ढाँचे के मद्देनजर एकाधिकारी पूँजीवाद का विश्लेषण कीजिए।

8. Do you think there can be long-term full employment in the capitalist system ? Discuss.

क्या आपके अनुसार पूँजीवादी प्रणाली में दीर्घकालीन पूर्ण रोजगार संभव है? चर्चा कीजिए।

9. Do you think it is possible to have crisis-free capitalism ? Explain theoretically as well as through an analysis of historical trends in post-war capitalist experience.

क्या आपके अनुसार संकट–मुक्त पूँजीवाद संभव है? इसे सैद्धांतिक रूप तथा युद्ध के बाद के पूँजीवादी अनुभव के विश्लेषण द्वारा समझाइए।

10. Analyse how the world of big business and finance is different from that in the conceptualisation that Lenin made in "Imperialism". Does this make Lenin's theory irrelevant to the analysis of contemporary capitalism and the world economy ?

munotes.in

विश्लेषण कीजिए कि किस प्रकार बड़े व्यापार और वित्त की दुनिया, लेनिन द्वारा 'साम्राज्यवाद' में विकसित अवधारणा से भिन्न है ? क्या इस वजह से लेनिन का सिद्धांत समकालीन पूँजीवाद और विश्व अर्थव्यवस्था के विश्लेषण के लिए अप्रासंगिक हो गया है ?

munotes.in